

व्यापक रक्षा आधुनिकीकरण रोडमैप जारी किया

भारतीय थल सेना ने 'व्यापक रक्षा आधुनिकीकरण रोडमैप' जारी किया

इस रोडमैप का उद्देश्य विविध क्षेत्रों में भारतीय थल सेना की क्षमताओं को आधुनिक युद्ध की चुनौतियों के अनुरूप ढालना और तैयार करना है।

आधुनिकीकरण रोडमैप के मुख्य बिंदुओं पर एक नजर

- अत्यधिक उन्नत हथियार प्रणालियाँ: इसमें हाइपरसोनिक ग्लाइड व्हीकल, हाइपरसोनिक एयर-ब्रीदिंग इंजन (HEB) तथा चौथी, पांचवी और छठी पीढ़ी की अति उन्नत मिसाइलों सहित अति तीव्र एवं अत्यधिक मेनोयूरेबल हथियार प्रणालियों का विकास करना शामिल है।
 - मेनोयूरेबल: तेज गति से उड़ान भरते हुए भी दिशा बदलने में सक्षम।
- पारंपरिक डंप श्रेणी वाले हथियारों से हटकर स्मार्ट व सटीकता के साथ निर्देशित होने वाले हथियार जैसे लोइटरिंग हथियारों को अपनाने की आवश्यकता है।
 - लोइटरिंग हथियार: ऐसा स्मार्ट हथियार, जो हवा में कुछ समय तक चक्कर लगाते हुए अपने लक्ष्य को खोजता है, और जब सही समय आए, तभी सटीक निशाना लगाकर हमला करता है।
- ड्रोन-रोधी अभियानों, मिसाइल रक्षा और उपग्रह-रोधी क्षमताओं के लिए उच्च-ऊर्जा लेजर एवं माइक्रोवेव प्रणालियों जैसे निर्देशित ऊर्जा हथियारों के क्षेत्र में प्रयासों को आगे बढ़ाना होगा।
- साइबर एवं इलेक्ट्रॉनिक युद्ध (EW): इसमें अगली पीढ़ी के साइबर रक्षा उपकरण, ऑटोनोमस EW साधनों और सक्षम उपग्रह प्रणालियों के विकास के माध्यम से स्पेक्ट्रम पर नियंत्रण हासिल करना शामिल है।
- सैनिक-केंद्रित आधुनिकीकरण: सैनिकों को एक्सोस्केलेटन, ह्यूमन ऑगमेंटेशन सिस्टम, स्मार्ट बॉडी आर्मेड और ऑगमेंटेड रियलिटी-आधारित युद्ध क्षेत्र संबंधी प्रबंधन प्रणालियों से लैस करना है।
 - युद्ध क्षेत्र में प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए AI-संचालित हेलमेट, स्मार्ट परिधान और रियल टाइम में स्वास्थ्य संबंधी निगरानी को भी शामिल करना है।
- लॉजिस्टिक्स एवं अवसंरचना: हरित, संधारणीय व साइबर-रेसिलिएंट लॉजिस्टिक्स सिस्टम बनाने के लिए AI, ब्लॉकचेन और IoT को उपयोग करते हुए आपूर्ति श्रृंखलाओं का आधुनिकीकरण करना होगा।
- तालमेल मजबूत करना: इसके तहत तीन प्रमुख हितधारकों के बीच तालमेल सुनिश्चित करना होगा:
 - सेना: इसे अपनी परिचालन से संबंधित आवश्यकताओं को स्पष्ट रूप से परिभाषित करना होगा;
 - नीति निर्माता: उन्हें सक्षमकारी और सार्थक फ्रेमवर्क का निर्माण करना होगा; तथा
 - उद्योग: उन्हें नवाचार करना होगा और आवश्यकता के अनुरूप समाधान प्रदान करना होगा।

भारत में सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण से संबंधित पहलें

- 10 वर्षीय एकीकृत क्षमता विकास योजना (ICDP) के माध्यम से दीर्घकालिक आधुनिकीकरण योजना बनाई जाती है।
- रक्षा अंतरिक्ष एजेंसी, रक्षा साइबर एजेंसी और सशस्त्र बल विशेष परिचालन प्रभाग जैसी विशिष्ट क्षमता वाली एजेंसियों की स्थापना की गई है।
- रक्षा उत्कृष्टता के लिए नवाचार (iDEX) 1.5 करोड़ रुपये तक के वित्त-पोषण के साथ स्टार्ट-अप का समर्थन करता है।
- सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची, सृजन पोर्टल, रक्षा अनुसंधान एवं विकास में FDI के नियमों को उदार बनाने जैसी पहलों के माध्यम से रक्षा विनिर्माण में आत्मनिर्भरता हासिल करने का प्रयास किया जा रहा है।

ब्राजील के रियो डी जेनेरो शहर में आयोजित 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में 'रियो डी जेनेरो घोषणा' को अपनाया गया

इस शिखर सम्मेलन की थीम थी: "समावेशी और सतत गवर्नेंस के लिए ग्लोबल साउथ के बीच सहयोग को मजबूत बनाना।"

शिखर सम्मेलन के मुख्य परिणामों पर एक नजर:

- "ब्रिक्स लीडर्स फ्रेमवर्क डिक्लोरेशन ऑन क्लाइमेट फाइनेंस" को अपनाया गया: इसका उद्देश्य विकासशील देशों के लिए जलवायु वित्त को सुलभ, समय पर और किफायती बनाना है, ताकि वे न्यायसंगत तरीके से हरित विकास की ओर बढ़ सकें।
- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) के ग्लोबल गवर्नेंस पर ब्रिक्स नेताओं का बयान जारी किया गया: इसका उद्देश्य AI तकनीकों के जिम्मेदार विकास, परिणियोजन और उपयोग को बढ़ावा देना है, जो हर देश के नियम-कानूनों एवं संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुरूप हो।
- सामाजिक कारणों से होने वाली बीमारियों को खत्म करने के लिए ब्रिक्स साझेदारी शुरू की गई: इसका उद्देश्य गरीबी और सामाजिक वंचनाओं जैसी स्वास्थ्य असमानताओं के मूल कारणों से निपटने पर ध्यान केंद्रित करना है।
- अन्य परिणाम:
 - बहुपक्षवाद के लिए समर्थन को दोहराया गया और ग्लोबल साउथ की अभिव्यक्ति को मजबूत करने के लिए ब्रेटन वुड्स संस्थाओं (जैसे IMF व विश्व बैंक) में सुधार की मांग की गई।
 - संयुक्त राष्ट्र प्रणाली में फिर से सुधारों का आह्वान किया गया। इन सुधारों में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) में भारत और ब्राजील की भूमिका बढ़ाने का समर्थन किया गया।
 - आतंकवाद के सभी रूपों की निंदा की गई, जिसमें जम्मू-कश्मीर के पहलूगाम में हुआ आतंकी हमला भी शामिल है।
 - पूरे अफ्रीका महाद्वीप में संघर्ष समाधान के लिए "अफ्रीकी समस्याओं के लिए अफ्रीकी समाधान" के सिद्धांत पर बल दिया गया (जैसे - सूडान, हॉर्न ऑफ अफ्रीका आदि)।
 - परमाणु हथियार-मुक्त क्षेत्रों के योगदानों को सराहा गया, जिससे परमाणु प्रसार को रोकने में मदद मिलेगी।
 - भारत द्वारा 2028 में UNFCCC के COP-33 सम्मेलन की मेज़बानी करने के प्रस्ताव का समर्थन किया गया।

संबंधित सुर्खियां

न्यू डेवलपमेंट बैंक (NDB) के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स ने कोलंबिया और उज्बेकिस्तान को आधिकारिक रूप से बैंक के उधार लेने वाले सदस्यों (Borrowing Members) के रूप में शामिल कर लिया है।

NDB के बारे में:

- शुरुआत: इसे 2015 में ब्रिक्स देशों द्वारा एक बहुपक्षीय विकास बैंक के रूप में स्थापित किया गया था।
- उद्देश्य: उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं और विकासशील देशों (EMDCs) में अवसंरचना एवं सतत विकास परियोजनाओं के लिए वित्त जुटाना।
- मुख्यालय: शंघाई (चीन)।
- सदस्य देश: ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, बांग्लादेश, संयुक्त अरब अमीरात, मिस्र और अल्जीरिया।
- उरुवे एक संभावित सदस्य है।

परमाणु ऊर्जा विनियामक बोर्ड (AERB) ने भारत के पहले 700-मेगावाट क्षमता वाले प्रेशराइज्ड हेवी वाटर रिएक्टर (PHWR) के संचालन का लाइसेंस प्रदान किया

परमाणु ऊर्जा विनियामक बोर्ड (AERB) ने गुजरात के काकरापार परमाणु ऊर्जा स्टेशन के 700 मेगावाट क्षमता वाले दो स्वदेशी प्रेशराइज्ड हेवी वाटर रिएक्टर (यूनिट-3 और 4) के संचालन के लिए लाइसेंस प्रदान किया है।

प्रेशराइज्ड हेवी वाटर रिएक्टर (PHWR) के बारे में

- ▶ भारत के तीन-चरणीय परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम के पहले चरण में PHWR का उपयोग शामिल है।
- ▶ ईंधन और उप-उत्पाद: ये रिएक्टर बिजली उत्पन्न करने के लिए प्राकृतिक यूरेनियम का उपयोग करते हैं, जबकि प्लूटोनियम-239 उप-उत्पाद के रूप में उत्पन्न होता है।
 - ⊕ प्राकृतिक यूरेनियम में यूरेनियम-238 की सांद्रता 99.28 प्रतिशत होती है।
 - ⊕ प्लूटोनियम-239 का उपयोग यूरेनियम-प्लूटोनियम मिक्सड ऑक्साइड (MOX) ईंधन उत्पन्न करने के लिए किया जाएगा। इसका बाद में फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (FBR) के लिए ईंधन के रूप में उपयोग किया जाएगा।
 - ⊕ फास्ट ब्रीडर रिएक्टर का उपयोग भारत के परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम के दूसरे चरण में किया जाएगा।
- ▶ शीतलक (Coolant) और मंदक (Moderator): PHWR में भारी जल (D2O) या ड्यूटेरियम का उपयोग शीतलक एवं न्यूट्रॉन मंदक, दोनों के रूप में किया जाता है।
- ▶ लाभ:
 - ⊕ इसमें पतली दीवारों वाली प्रेशर ट्यूब्स होती हैं, जबकि अन्य रिएक्टरों में बड़े प्रेशर वेसल्स होते हैं।
 - ⊕ इससे दबाव सीमाएं बड़ी संख्या में छोटे व्यास वाली प्रेशर ट्यूब्स में वितरित हो जाती हैं। इससे किसी प्रेशर सीमा में आकस्मिक रिसाव या टूट-फूट हो भी जाए, तो इसके अधिक गंभीर प्रभाव नहीं होते।

भारत में PHWR विकास का इतिहास

- ▶ इस रिएक्टर के निर्माण की शुरुआत 1960 के दशक के अंत में राजस्थान परमाणु ऊर्जा स्टेशन (RAPS-1) से हुई थी। यह रिएक्टर भारत-कनाडा सहयोग से निर्मित हुआ था। इसकी क्षमता 220 मेगावाट थी।
- ▶ 1974 में पोखरण-1 परमाणु परीक्षण के बाद कनाडा ने सहायता देना बंद कर दिया था। इसके बाद भारत ने PHWR तकनीक का स्वदेशी रूप से विकास किया था।
- ▶ बाद में भारत ने 220 मेगावाट का स्वदेशी डिजाइन वाला मानकीकृत PHWR विकसित किया था। इसकी शुरुआत उत्तर प्रदेश में नरौरा परमाणु ऊर्जा स्टेशन (NAPS) से हुई थी।

परमाणु ऊर्जा विनियामक बोर्ड (AERB) के बारे में

- ▶ स्थापना: 1983 में राष्ट्रपति द्वारा परमाणु ऊर्जा अधिनियम, 1962 के प्रावधान के अनुसार स्थापित किया गया था।
- ▶ विनियामक प्राधिकरण: बोर्ड को विनियामक प्राधिकरण परमाणु ऊर्जा अधिनियम एवं पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के अंतर्गत जारी नियमों एवं अधिसूचनाओं से प्राप्त होता है।
- ▶ मिशन: यह सुनिश्चित करना कि भारत में आयनीकृत विकिरण और परमाणु ऊर्जा का उपयोग लोगों के स्वास्थ्य एवं पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुंचाए।

CSIR-इंस्टीट्यूट ऑफ जीनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी (IGIB) में राष्ट्रीय बायोबैंक का उद्घाटन किया गया

यह नई सुविधा भारत का अपना लॉगिस्टिकल हेल्थ डेटाबेस बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

- ▶ लॉगिस्टिकल हेल्थ डेटाबेस: इसका उद्देश्य व्यक्तियों या समूह की सेहत से जुड़ी जानकारी को लंबे समय तक बार-बार एकत्र करना और उनका रिकॉर्ड रखना है।
- ▶ इससे परिशुद्ध चिकित्सा और जैव-चिकित्सा (Biomedical) संबंधी अनुसंधान के क्षेत्र में भारत की क्षमताओं में वृद्धि होगी।

राष्ट्रीय बायोबैंक के बारे में

- ▶ इसे फेनोम इंडिया परियोजना के अंतर्गत लॉन्च किया गया है।
 - ⊕ यह यूनाइटेड किंगडम बायोबैंक मॉडल पर आधारित है, लेकिन इसे भारतीय विविधता के अनुरूप डिजाइन किया गया है।
- ▶ उद्देश्य:
 - ⊕ बीमारियों का जल्दी पता लगाना,
 - ⊕ इलाज को अधिक सटीक बनाना, और
 - ⊕ मधुमेह, कैंसर, हृदय संबंधी बीमारियों एवं दुर्लभ आनुवंशिक विकारों जैसी जटिल बीमारियों के इलाज में मदद करना।
 - ◆ यह हाई-रिज़ॉल्यूशन डेटा का निर्माण करेगा। इससे AI-संचालित डायग्नोस्टिक्स और जीन-गाइडेड चिकित्सा को मजबूती प्रदान करने में मदद मिल सकती है।
 - » इस संबंध में हाई-रिज़ॉल्यूशन डेटा का अर्थ है, बहुत ही बारीकी और विस्तार से एकल की गई जानकारी, जिससे किसी रोग को गहराई से समझा जा सके।
- ▶ कवरेज: यह 10,000 व्यक्तियों का व्यापक जीनोमिक, जीवनशैली युक्त और क्लिनिकल डेटा एकत्र करेगा।

फेनोम इंडिया परियोजना के बारे में

- ▶ इसे आधिकारिक तौर पर फेनोम इंडिया-CSIR हेल्थ कोहोर्ट नॉलेजबेस (PI-CheCK) कहा जाता है।
- ▶ इसे 2023 में वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (CSIR) ने शुरू किया था।
- ▶ उद्देश्य: यह एक दीर्घकालिक, डेटा-समृद्ध अध्ययन है, जो कई वर्षों तक व्यक्तियों के स्वास्थ्य की स्थिति पर नज़र रखेगा।

फेनोम क्या है?

- ▶ फेनोम किसी कोशिका, ऊतक, अंग, जीव या प्रजाति में फेनोटाइप (दिखाई देने वाली विशेषताओं) का संपूर्ण समूह होता है।
 - ⊕ फेनोटाइप किसी जीव की दिखाई देने वाली विशेषताओं को कहते हैं। इनमें जीव की शारीरिक की बनावट, रंग, कद, व्यवहार आदि शामिल होते हैं।
 - ⊕ किसी जीव का फेनोटाइप उसके जीनोटाइप के साथ-साथ उसके जींस पर पड़ने वाले पर्यावरणीय प्रभावों द्वारा निर्धारित होता है। जीनोटाइप जीव में मौजूद जींस का समूह होता है।

विश्व बैंक की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत विश्व के उन अग्रणी देशों में शामिल हो गया है, जिन्होंने समाज में अधिक समानता लाने की दिशा में प्रगति की है

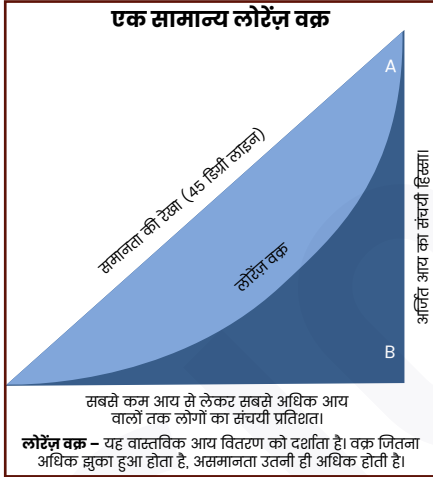
विश्व बैंक के 'स्प्रिंग 2025 पॉवर्टी एंड इक्विटी ब्रीफ' के अनुसार, गिनी इंडेक्स स्कोर के आधार पर भारत को विश्व के उन चार देशों में शामिल किया गया है, जिन्होंने समाज में अधिक समानता लाने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की है। भारत से आगे केवल स्लोवाक रिपब्लिक, स्लोवेनिया और बेलारूस हैं। समानता के मामले में भारत की वैश्विक स्थिति:

- ▶ भारत में आय समानता (Income Equality) में सुधार हुआ है। इस मामले में 2011-12 में गिनी स्कोर 28.8 था, वह 2022-23 में बेहतर होकर 25.5 हो गया।
- ▶ भारत ने G-7 और G-20 देशों से बेहतर प्रदर्शन किया है, जैसे कि चीन (35.7) और संयुक्त राज्य अमेरिका (41.8)।
- ⊕ भारत 'मध्यम रूप से कम असमानता' वाली श्रेणी (गिनी स्कोर 25 से 30 के बीच) में आता है। यह "कम असमानता" समूह में शामिल होने से बस थोड़ा-सा दूर है।
- ▶ रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि अत्यधिक गरीबी (प्रतिदिन 2.15 डॉलर से कम पर जीवन यापन) 2011-12 की 16.2% से घटकर 2022-23 में 2.3% हो गई। इससे 171 मिलियन (17.1 करोड़) लोग गरीबी रेखा से ऊपर उठे हैं।
- ⊕ विश्व बैंक के नए मापदंड (3.00 डॉलर प्रतिदिन) के अनुसार, 2022-23 में अत्यधिक गरीबी दर 5.3% मानी जाएगी।

गिनी इंडेक्स के बारे में:

- ▶ गिनी इंडेक्स यह मापता है कि किसी देश में व्यक्तियों या परिवारों के बीच आय या उपभोग का वितरण पूरी तरह समान वितरण से कितना भिन्न है।

- ⊕ इसका मान 0 से 1 के बीच होता है। यहां 0 का अर्थ पूर्ण समानता और 1 का अर्थ है पूर्ण असमानता है।
- ▶ ग्राफ के रूप में, गिनी इंडेक्स को लॉरेंज वक्र (Lorenz Curve) से समझाया जा सकता है।
- ⊕ लॉरेंज वक्र, आय प्राप्तकर्ताओं की संख्यी संख्या की तुलना में प्राप्त कुल आय का संख्यी प्रतिशत दर्शाता है, जिसकी शुरुआत सबसे गरीब व्यक्ति या परिवार से होती है।



भारतीय प्रधान मंत्री ने लैटिन अमेरिका और कैरिबियाई देशों की राजनयिक यात्रा की

प्रधान मंत्री ने अर्जेन्टीना और त्रिनिदाद एवं टोबैगो की यात्रा के बाद ब्राजील का दौरा किया। यह यात्रा लैटिन अमेरिका और कैरिबियाई (LAC) देशों की कूटनीतिक यात्रा का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य ग्लोबल साउथ के साथ संबंधों को मजबूत करना है।

- ▶ लैटिन अमेरिकी और कैरिबियाई (LAC) क्षेत्र में मुख्य रूप से तीन क्षेत्र शामिल हैं: दक्षिण अमेरिका, मध्य अमेरिका और कैरिबियाई क्षेत्र। इसमें 40 से अधिक देश शामिल हैं।
- ▶ भारत तथा लैटिन अमेरिकी और कैरिबियाई (LAC) क्षेत्र: बढ़ती साझेदारी LAC क्षेत्र के साथ भारत का जुड़ाव आर्थिक संबंधों, ऊर्जा, अवसरचना और क्षेत्रीय गुटों के साथ रणनीतिक साझेदारी तक फैला हुआ है।
- ▶ आर्थिक संबंध
 - ⊕ वर्तमान व्यापार: 2023-24 में भारत और LAC के बीच कुल व्यापार 35.73 बिलियन अमेरिकी डॉलर रहा। इसमें भारत का निर्यात 14.50 बिलियन डॉलर था।
 - ⊕ व्यापार लक्ष्य: भारत का लक्ष्य 2027-28 तक द्विपक्षीय व्यापार को 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक बढ़ाना है।
 - ⊕ निर्यात-आयात: LAC क्षेत्र भारत के लिए आयात का 8वां सबसे बड़ा स्रोत है, जबकि भारत LAC क्षेत्र के लिए 9वां सबसे बड़ा निर्यातक भागीदार है।
 - ◆ LAC से प्रमुख आयात: मुख्य रूप से खनन और कृषि उत्पाद, जैसे- कच्चा तेल व पेट्रोलियम उत्पाद, मोती एवं कीमती पत्थर तथा वनस्पति तेल।
 - ◆ LAC को प्रमुख निर्यात: मुख्य रूप से विनिर्मित वस्तुएं, जैसे मोटर वाहन, रासायनिक उत्पाद, खनिज ईंधन आदि।
- ▶ व्यापार समझौते: भारत की LAC के साथ विविध व्यापार समझौते/ वार्ताएं चल रहे हैं, जिनमें शामिल हैं:
 - ⊕ MERCOSUR के साथ एक वरीयता व्यापार समझौता (PTA);
 - ⊕ चिली के साथ एक व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (CEPA);
 - ⊕ पेरू के साथ मुक्त व्यापार समझौते (FTA) की वार्ता आदि।
- ▶ ऊर्जा और अवसरचना: LAC क्षेत्र सोना, तांबा एवं लिथियम जैसे महत्वपूर्ण खनिजों का एक अहम आपूर्तिकर्ता है।
- ▶ क्षेत्रीय गुट: भारत LAC क्षेत्र में प्रमुख क्षेत्रीय गुटों के साथ मजबूत साझेदारी बनाए हुए है, जिनमें शामिल हैं:
 - ⊕ लैटिन अमेरिकी और कैरिबियाई राज्यों का समुदाय (CELAC);
 - ⊕ मध्य अमेरिकी एकीकरण प्रणाली (SICA); तथा
 - ⊕ कैरिबियाई समुदाय (CARICOM)।



अन्य सुर्खियां

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग (National Medical Commission: NMC)

हाल ही में राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग (NMC) ने चिकित्सा संस्थान (संकाय की योग्यता) विनियम, 2025 अधिसूचित किया।

- ▶ ये विनियम पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन बोर्ड (PGMEB) द्वारा जारी किए गए हैं, जो NMC के तहत एक स्वायत्त संस्था है।

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग (NMC) के बारे में

- ▶ यह मेडिकल एजुकेशन और प्रैक्टिस पर भारत की शीर्ष विनियामक संस्था है।
- ▶ स्थापना: इसका गठन राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग अधिनियम, 2019 के तहत हुआ है।
- ⊕ इसकी स्थापना भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद (MCI) की जगह की गई है।
- ▶ कार्य: चिकित्सा संस्थानों, चिकित्सा अनुसंधानों और चिकित्सा पेशेवरों को विनियमित करने के लिए नीतियां बनाना।

भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम (Fugitive Economic Offenders Act), 2018

दिल्ली की एक अदालत ने यूनाइटेड किंगडम स्थित आर्म्स कंसल्टेंट को भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम, 2018 के तहत 'भगोड़ा आर्थिक अपराधी' घोषित किया।

भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम, 2018 के बारे में

- ▶ यह भगोड़ा आर्थिक अपराधी (FEO) को परिभाषित करता है।
 - ⊕ कोई ऐसा व्यक्ति, जिसके विरुद्ध भारत में किसी अनुसूचित अपराध के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी हुआ हो और जो भारत छोड़ चुका हो ताकि मुकदमे से बच सके, या विदेश से वापस आने से इनकार करता हो, भगोड़ा आर्थिक अपराधी होगा।
 - ⊕ अनुसूचित अपराध: ऐसे अपराध जो अधिनियम की अनुसूची में सूचीबद्ध हैं, और ऐसे आपराधिक कृत्य में शामिल कुल राशि 100 करोड़ रुपये या उससे अधिक हो।
- ▶ किसी व्यक्ति को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित करने के लिए, जांच एजेंसी को विशेष न्यायालय में आवेदन प्रस्तुत करना होता है।
 - ⊕ धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 के अंतर्गत सब न्यायालय को "विशेष न्यायालय" नामित किया गया है।

NCLAT | **राष्ट्रीय कंपनी विधि अपील अधिकरण (NCLAT)**

हाल ही में, NCLAT ने निर्णय दिया कि इनसॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड (IBC), 2016, धन शोधन निवारण अधिनियम (PMLA), 2002 के प्रावधानों की जगह नहीं ले सकता।

राष्ट्रीय कंपनी विधि अपील अधिकरण (NCLAT) के बारे में

- इसे कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत गठित किया गया है, ताकि राष्ट्रीय कंपनी विधि अधिकरण (NCLT) के आदेशों के विरुद्ध अपीलों की सुनवाई की जा सके।
- ⊕ NCLAT में इनसॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी बोर्ड ऑफ इंडिया, भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (CCI) और राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग प्राधिकरण द्वारा पारित आदेशों के विरुद्ध भी अपील की जा सकती है।
- प्रधान पीठ: नई दिल्ली

दुधवा टाइगर रिजर्व

दुधवा टाइगर रिजर्व (DTR) में 2022 के बाद से तेंदुओं की संख्या में 198.91% की वृद्धि दर्ज की गई है।

दुधवा टाइगर रिजर्व (DTR) के बारे में:

- अवस्थिति: यह उत्तर प्रदेश के तराई क्षेत्र में, भारत-नेपाल सीमा के पास स्थित है।
- इस रिजर्व में दुधवा राष्ट्रीय उद्यान और दो वन्यजीव अभयारण्य – कर्तनयाघाट और किशनपुर शामिल हैं।
- यह क्षेत्र ऊपरी गंगा मैदान के जैव-भौगोलिक क्षेत्र का एक विशिष्ट तराई-भाबर पर्यावास है और इसमें विशाल जलोढ़ मैदान शामिल है।
- बहने वाली नदियाँ: मोहना, सुहेली, जोराहा, नगरो आदि।
- प्राप्त प्रमुख वन्यजीव: बाघ, तेंदुआ, गैंडा, स्वैम्प डियर, हाथी, सांभर, हॉग डियर, स्लोथ भालू आदि।

आधार आधारित चेहरा सत्यापन (FaceAuth)

हिमाचल प्रदेश सार्वजनिक वितरण प्रणाली (PDS) के तहत राशन वितरण के लिए “आधार-आधारित चेहरा सत्यापन (FaceAuth)” शुरू करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है।

‘आधार-आधारित चेहरा सत्यापन’ के बारे में:

- चेहरा सत्यापन को भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (UIDAI) द्वारा एक अतिरिक्त सत्यापन प्रणाली के रूप में शुरू किया गया है।
- ⊕ सत्यापन के अन्य तरीकों में OTP, फिंगरप्रिंट और आईरिस स्कैन शामिल हैं।
- चेहरा सत्यापन 1:1 मिलान पर आधारित होता है। इसका मतलब है कि सत्यापन के दौरान खींची गई चेहरे की छवि को आधार नंबर के साथ संग्रहित छवि से मिलान कराया जाता है।

टोकारा (Tokara) द्वीप समूह

हाल में, जापान के दक्षिणी भाग में स्थित टोकारा द्वीपसमूह में 1,000 से अधिक भूकंप दर्ज किए गए।

- जापान दुनिया के सबसे अधिक भूकंपीय रूप से सक्रिय देशों में से एक है। यह प्रशांत महासागर के “रिंग ऑफ फायर” के पश्चिमी किनारे पर चार प्रमुख टेक्टोनिक प्लेटों के मिलन बिंदु पर स्थित है।

टोकारा द्वीप के बारे में

- यह जापान का एक द्वीपसमूह है, जो क्यूशू के दक्षिण और अमामी द्वीपों के उत्तर में स्थित है।
- जापान का सबसे लंबा गांव ‘तोशिमा’ इसी द्वीप पर स्थित है।

सीन नदी (Seine River)

फ्रांस की राजधानी पेरिस में बहने वाली सीन नदी में 1923 के बाद पहली बार आम लोगों को तैराकी की अनुमति दी गई है।

- यह कदम पिछले वर्ष आयोजित पेरिस ओलंपिक के दौरान की गई व्यापक सफाई अभियान के बाद संभव हुआ। ओलंपिक के दौरान इस नदी में कुछ तैराकी प्रतिस्पर्धाओं का आयोजन किया गया था।
- पहले यह नदी पेरिस की सीवेज प्रणाली से बहने वाली अनुपचारित सीवेज के कारण ई. कोलाई (E. coli) से दूषित हो गई थी।

सीन नदी के बारे में

- यह फ्रांस की दूसरी सबसे लंबी नदी है। लोइर (Loire) नदी फ्रांस की सबसे लंबी नदी है।
- इस नदी का उद्गम डिजॉन से 30 किमी उत्तर-पश्चिम होता है। यह नदी पेरिस होते हुए उत्तर-पश्चिम दिशा में बहती है और ले आवरे (Le Havre) में इंग्लिश चैनल में मिल जाती है।

3I/एटलस

नासा द्वारा वित्तपोषित ATLAS (एस्टेरॉयड टेर्रेस्ट्रियल-इम्पैक्ट लास्ट अलर्ट सिस्टम) सर्वे टेलीस्कोप ने एक इंटरस्टेलर धूमकेतु की खोज की है, जिसका नाम 3I/ATLAS रखा गया है। यह टेलीस्कोप चिली में स्थापित है।

- 3I/ATLAS एक सक्रिय धूमकेतु है। यदि यह सूर्य के पास पहुंचते हुए पर्याप्त गर्म हो जाता है, तो इसमें उर्ध्वपातन (sublimation) की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। इससे धूल और बर्फ के कण अंतरिक्ष में फैलते हैं और एक चमकदार कोमा और पूंछ (tail) बनती है।
- ⊕ उर्ध्वपातन एक भौतिक प्रक्रिया है जिसमें कोई ठोस पदार्थ बिना द्रव अवस्था में बदले सीधे गैसीय अवस्था में परिवर्तित हो जाता है।
- यह अब तक देखा गया तीसरा इंटरस्टेलर पिंड है। इससे पहले 2017 में 1I/‘ओमुआमुआ (Oumuamua) और 2019 में 2I/बोरिसोव की खोज हो चुकी है।

सुर्खियों में रहे व्यक्तित्व | **डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी (1901 - 1953)**

प्रधानमंत्री ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को उनकी 125 वीं जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बारे में

- उनका जन्म कोलकाता में हुआ था।
- वह कलकत्ता विश्वविद्यालय के सबसे कम उम्र के कुलपति थे।

योगदान

- वे 1940 में अखिल भारतीय हिंदू महासभा के कार्यवाहक अध्यक्ष बने थे।
- वे संविधान सभा के सदस्य चुने गए थे।
- वे पंडित नेहरू के नेतृत्व में गठित अंतरिम सरकार में उद्योग और आपूर्ति मंत्री रहे।
- ⊕ उन्होंने चित्तूरजन लोकोमोटिव फैक्ट्री जैसी संस्थाओं की स्थापना करके भारत के औद्योगिक विकास की नींव रखी।
- ⊕ उन्हें “संसद का शेर” की उपाधि दी गई थी।
- वे भारतीय जनसंघ (1951) के संस्थापकों में से एक थे।
- प्रमुख साहित्यिक रचनाएं: “लीक्स फ्रॉम ए डायरी” (आत्मकथात्मक रचना), भारतीय संघर्ष का एक चरण, आदि।
- मूल्य: नेतृत्व, सहानुभूति, सामाजिक सद्भाव, राष्ट्रवाद, सांस्कृतिक विशिष्टता आदि।

